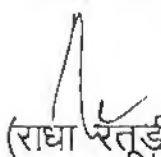


उत्तराखण्ड शासन
नियोजन अनुभाग-2
संख्या: 253 /XXVI/दो (20)/2007
देहरादून: दिनांक: 7 दिसम्बर, 2009

अधिसूचना संख्या- 253/XXVI/दो(20)/2007, दिनांक 7 दिसम्बर, 2009 को प्रख्यापित "उत्तराखण्ड अर्थ एवं संख्या विभाग लिपिक वर्ग सेवानियमावली, 2009" की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी।
3. सचिव, महामहिम श्री राज्यपाल।
4. सचिव, विधान सभा, उत्तराखण्ड।
5. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ/समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव/अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
7. समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
8. निदेशक, अर्थ एवं संख्या निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. सचिवालय के समस्त अनुभाग।
11. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री रुड़की, हरिद्वार को नियमावली की हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रति संलग्न करते हुए इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया नियमावली को असाधारण गजट विधायी परिशिष्ट भाग-4 खण्ड-क में मुद्रित करा कर इसकी 100 प्रतियाँ नियोजन अनुभाग-2 को तथा 100 प्रतियाँ निदेशक अर्थ एवं संख्या, उत्तराखण्ड देहरादून को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से,

(राधा रतूड़ी)
सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
नियोजन विभाग
संख्या - 253/XXVI/दो(20)/2007
देहरादून: दिनांक: 07 दिसम्बर, 2009

अधिसूचना

प्रकीर्ण

राज्यपाल, भारत का संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके और इस विषय में समस्त विद्यमान नियमों और आदेशों का अधिकमण करके उत्तराखण्ड अर्थ एवं संख्या विभाग लिपिक वर्ग सेवा में भर्ती और उसमें नियुक्त व्यक्तियों की सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तराखण्ड अर्थ एवं संख्या विभाग लिपिक वर्ग सेवा नियमावली, 2009

भाग - 1 - सामान्य

- | | |
|--------------------------------------|---|
| संक्षिप्त नाम
और प्रारम्भ | 1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड अर्थ एवं संख्या विभाग लिपिक वर्ग सेवा नियमावली, 2009 है।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी। |
| सेवा की
प्रास्थिति | 2. उत्तराखण्ड अर्थ एवं संख्या विभाग लिपिक वर्ग सेवा में समूह "ग" के पद सम्मिलित हैं। |
| परिभाषाएं | 3. जब तक विषय या संदर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो, इस नियमावली में —
(क) "नियुक्ति प्राधिकारी" से निदेशक अभिप्रेत है;
(ख) "निदेशक" से निदेशक, अर्थ एवं संख्या विभाग, उत्तराखण्ड अभिप्रेत है;
(ग) "भारत का नागरिक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो संविधान के भाग-2 के अधीन भारत का नागरिक हो, या समझा जाए;
(घ) "संविधान" से 'भारत का संविधान' अभिप्रेत है;
(ङ) "सरकार" से उत्तराखण्ड की सरकार अभिप्रेत है;
(च) "राज्यपाल" से उत्तराखण्ड का राज्यपाल अभिप्रेत है;
(छ) "सेवा" से उत्तराखण्ड अर्थ एवं संख्या विभाग लिपिक वर्ग सेवा अभिप्रेत है;
(ज) "भौतिक नियुक्ति" से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है, जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात् की गई हो और यदि कोई नियम न हो तो सरकार द्वारा जारी किए गए कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात् की गई हो; और
(झ) "भर्ती का वर्ष" से किसी कलेण्डर वर्ष में पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है। |

भाग - 2 - संवर्ग

- सेवा का संवर्ग 4. (1) सेवा की सदस्य संख्या और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी, जितनी राज्यपाल द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए।
- (2) सेवा की सदस्य संख्या और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या, जब तक कि उप नियम (1) के अधीन उसमें परिवर्तन करने के आदेश न दिए जाए, उतनी होगी, जितनी परिशिष्ट "क" में दी गई है:-

परन्तु यह कि -

(एक) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुए छोड़ सकते हैं या राज्यपाल उसे आस्थगित रख सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति प्रतिकर का हकदार न होगा, और

(दो) राज्यपाल समय-समय पर ऐसे अतिरिक्त स्थायी या अस्थायी पदों का सृजन कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझें।

भाग - 3 - भर्ती

- भर्ती का स्रोत 5. सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जाएगी:-

क० सं०	पदनाम	भर्ती का स्रोत
(एक)	कनिष्ठ सहायक (क)	75 प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा, उत्तराखण्ड (उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर) समूह 'ग' के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया नियमावली, 2008 (यथा संशोधित) में दी गयी व्यवस्था अनुसार।
(ख)	15 प्रतिशत पद हाईस्कूल उत्तीर्ण समूह-'घ' के मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे कार्मिकों में से, जिन्होंने इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, चयन के माध्यम से उत्तराखण्ड अधीनस्थ कार्यालय लिपिक वर्गीय कर्मचारी सेवा (सीधी भर्ती) नियमावली, 2004 (यथा संशोधित) में दी गयी व्यवस्था अनुसार।	
(ग)	10 प्रतिशत पद इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण समूह-'घ' के मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे कार्मिकों में से, जिन्होंने इस रूप में पाँच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, चयन के माध्यम से उत्तराखण्ड अधीनस्थ कार्यालय लिपिक वर्गीय कर्मचारी सेवा (सीधी भर्ती), नियमावली 2004 (यथा संशोधित) में दी गयी व्यवस्था अनुसार।	
(दो)	प्रवर सहायक	ऐसे स्थायी कनिष्ठ सहायकों में से, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पाँच वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण कर ली हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए, ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।
(तीन)	मुख्य सहायक	मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे प्रवर सहायकों में से, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में

पाँच वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण कर ली हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए, ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।

(चार) प्रशासनिक अधिकारी, ग्रेड-II

मौलिक रूप से नियुक्त मुख्य सहायकों में से जिन्होंने इस रूप में कम से कम 2 वर्ष की सेवा पूर्ण की हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए, ज्येष्ठता के आधार पर, पदोन्नति द्वारा।

(पाँच) प्रशासनिक अधिकारी, ग्रेड-I

मौलिक रूप से नियुक्त प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-II में से जिन्होंने इस रूप में कम से कम 2 वर्ष की सेवा पूर्ण की हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए, ज्येष्ठता के आधार पर, पदोन्नति द्वारा।

आरक्षण

6. उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण, भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

भाग - 4 - अर्हताएँ

राष्ट्रीयता

7. सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी:-
- (क) भारत का नागरिक हो, या
 - (ख) तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से निवास करने के आशय से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हो, या
 - (ग) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो, जिसने भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश केनिया यूगांडा, यूनाइटेड रिपब्लिक ऑफ तंजानिया (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो:

परन्तु यह कि उपर्युक्त श्रेणी (ख) या (ग) से संबंधित अभ्यर्थी को ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो:

परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) से संबंधित अभ्यर्थी से यह भी अपेक्षा की जाएगी कि वह पुलिस महानिरीक्षक, अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड से पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त कर ले;

परन्तु यह भी कि यदि कोई अभ्यर्थी उपर्युक्त श्रेणी (ग) का हो तो पात्रता प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए जारी नहीं किया जाएगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष की अवधि के आगे सेवा में इस शर्त पर रहने दिया जाएगा कि वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले।

टिप्पणी - ऐसे अभ्यर्थी को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो किन्तु न तो यह जारी किया गया हो और न देने से इन्कार किया गया हो, किसी परीक्षा में सम्मिलित किया जा सकता है और उसे इस शर्त पर अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है कि आवश्यक प्रमाण-पत्र उसके द्वारा प्राप्त कर लिया जाए या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाए।

शैक्षिक अर्हताएँ 8. सेवा में कनिष्ठ सहायक के पदों पर भर्ती के लिए अभ्यर्थी की निम्नलिखित अर्हताएँ होनी आवश्यक हैं:—

क0 सं0 पदनाम

अर्हताएँ

(एक) कनिष्ठ सहायक (क) माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश अथवा उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा एवं परीक्षा परिषद, रामनगर, नैनीताल से इण्टरमीडिएट परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

(ख) 4000 KDPH (की-डिप्रेशन प्रति घंटा) की कम्प्यूटर में हिन्दी टंकण की गति।

अधिमानी
अर्हताएँ

9. अन्य बातों के समान होने पर, सीधी भर्ती के मामलों में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जाएगा, जिसने:—

(एक) प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक सेवा की हो, या

(दो) राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।

आयु

10. सीधी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी की आयु उस कलैण्डर वर्ष की प्रथम जुलाई को, जिसमें रिक्तियाँ यथास्थिति, विज्ञप्ति या अधिसूचित की जाए, 18 वर्ष से कम और 35 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये;

परन्तु यह कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ऐसी अन्य श्रेणियों के, जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाएं, अभ्यर्थियों की दशा में उच्चतर आयु सीमा उतने वर्ष अधिक होगी, जितनी विनिर्दिष्ट की जाए।

चरित्र

11. सेवा में सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में नियोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस संबंध में अपना समाधान कर लेंगे।

टिप्पणी — संघ सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा या संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण में किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।

वैवाहिक
प्रास्थिति

12. पुरुष जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हो अथवा ऐसी महिला अभ्यर्थी जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से ही जीवित पत्नी हो, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी;

परन्तु यह कि यदि सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से मुक्त कर सकेगी।

शारीरिक
स्वस्थता

13. किसी व्यक्ति को सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि मानसिक और शारीरिक दृष्टि से उसका स्वास्थ्य अच्छा न हो

और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त न हो, जिससे उसे अपने कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक पालन करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए अन्तिम रूप से अनुमोदित किए जाने से पूर्व उससे यह अपेक्षा की जाएगी कि वह मूल नियम-10 के अधीन बनाए गए वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-II, भाग-3 के अध्याय-तीन में दिए गए नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे;

परन्तु यह कि पदोन्नति द्वारा भर्ती किए गए अभ्यर्थी से स्वस्थता प्रमाण-पत्र की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

भाग - 5 - भर्ती की प्रक्रिया

- रिक्तियों का अवधारण 14. नियुक्ति प्राधिकारी, वर्ष के दौरान भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम 6 के अधीन, उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या भी अवधारित करेगा। यदि चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्ति प्राधिकारी से भिन्न कोई अधिकारी है तो नियुक्ति प्राधिकारी चयन समिति के अध्यक्ष को रिक्तियों की सूचना देगा।
- सीधी भर्ती की प्रक्रिया 15. (1) नियुक्ति प्राधिकारी, निम्नलिखित रीति से, सीधी भर्ती के लिए आवेदन पत्र निर्धारित प्ररूप पर आमंत्रित करेगा और रिक्तियां अधिसूचित करेगा:-
- (एक) ऐसे दैनिक समाचार पत्रों में, जिनका व्यापक परिचालन हो, विज्ञापन जारी करके;
 - (दो) कार्यालय के सूचना पट्ट पर सूचना चिपका कर या रेडियो/दूरदर्शन और अन्य रोजगार पत्र के माध्यम से विज्ञापन करके; और
 - (तीन) रोजगार कार्यालय को रिक्तियां अधिसूचित करके।
- (2) उपनियम (1) के अधीन रिक्तियां अधिसूचित करते समय आवेदन पत्र का प्ररूप पुनः प्रकाशित नहीं किया जाएगा।
- (3) (एक) चयन के लिए 100 अंकों की एक लिखित परीक्षा होगी। प्रवीणता सूची, लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों व अन्य मूल्यांकनों के योग के आधार पर तैयार की जाएगी।
- (दो) (क) लिखित परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की होगी, जिसमें सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान और सामान्य अध्ययन का एक प्रश्नपत्र होगा। प्रश्नपत्र के मूल्यांकन में प्रत्येक सही उत्तर का एक अंक व प्रत्येक गलत उत्तर हेतु $1/4$ ऋणात्मक अंक दिया जाएगा।
 - (ख) लिखित परीक्षा की प्रश्न बुक-लेट परीक्षा के पश्चात अभ्यर्थियों को अपने साथ ले जाने की अनुमति दी जाएगी।
 - (ग) लिखित परीक्षा की उत्तर शीट कार्बन प्रति के साथ डुप्लीकेट में होगी तथा डुप्लीकेट प्रति अभ्यर्थी को अपने

साथ ले जाने की अनुमति दी जाएगी।

- (घ) लिखित परीक्षा के पश्चात, लिखित परीक्षा की उत्तरमाला को उत्तराखण्ड की वेबसाइट www.ua.nic.in पर प्रदर्शित तथा दैनिक समाचार पत्र में, जिसका व्यापक परिचालन है, में प्रकाशित किया जाएगा,

परन्तु यह कि ऐसे पद, जिनके लिए कोई शारीरिक मानक, अनिवार्य अर्हता के रूप में या भर्ती के ढंग के रूप में विहित किए गए हों, लिखित परीक्षा के पूर्व, अभ्यर्थियों से विहित शारीरिक परीक्षण कराने की अपेक्षा की जाएगी और उन्हीं अभ्यर्थियों को चयन के लिए परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जाएगी, जो पद के लिए विहित न्यूनतम मानकों को पूरा करते हों।

- (ङ) लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को श्रेष्ठता क्रम में टंकण परीक्षा हेतु बुलाया जाएगा। टंकण परीक्षा के लिए 4000 KDPH (की डिप्रेशन पर अवर) की न्यूनतम गति निर्धारित होगी। उक्त परीक्षा 50 अंकों की होगी। जिन अभ्यर्थियों ने विहित न्यूनतम गति प्राप्त की होगी, उनको ही अंक दिए जाएंगे। टंकण परीक्षा में अभ्यर्थियों को उनके लिखित परीक्षा के प्राप्तांक व अन्य मूल्यांकनों के योग के आधार पर बुलाया जाएगा। टंकण परीक्षा के लिए बुलाए जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या, रिक्तियों की संख्या की चार गुनी होगी।

- (च) यदि टंकण परीक्षा में रिक्तियों से अधिक संख्या में अभ्यर्थी सफल होते हैं तो श्रेष्ठता सूची तैयार कर उसके आधार पर परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

- (छ) यदि टंकण परीक्षा में रिक्तियों की संख्या से कम अभ्यर्थी सफल होते हैं तो जितने अभ्यर्थी सफल हुए हैं, उनकी नियुक्ति की कार्यवाही की जाएगी। शेष रिक्तियों के लिए पुनः 1:4 के अनुपात में लिखित परीक्षा एवं अन्य मूल्यांकनों के आधार पर सारणीबद्ध किए गए अभ्यर्थियों की सूची में से टंकण परीक्षा हेतु बुलाए जा चुके अभ्यर्थियों से आगे के अभ्यर्थियों को बुलाकर टंकण परीक्षा कराई जाएगी तथा उसमें सफल अभ्यर्थियों का नियमानुसार चयन किया जाएगा। यह क्रम तब तक चलता रहेगा जब तक न्यूनतम गति प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी निर्धारित संख्या में प्राप्त न हो जाए।

- (ज) यदि अभ्यर्थियों की संख्या 1:4 के अनुपात से कम हो तो ऐसी स्थिति में जितने अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में सम्मिलित हुए हो उन्हें टंकण परीक्षा हेतु बुलाया जाएगा। इनमें से जो विहित न्यूनतम गति प्राप्त करें उन्हें अंतिम श्रेष्ठता सूची में सम्मिलित किया जाएगा। यदि कोई भी अभ्यर्थी न्यूनतम गति प्राप्त न कर सके व आगे भी कोई अभ्यर्थी उपलब्ध न हो तो ऐसी स्थिति में

रिक्त पद को अग्रणीत रखा जाएगा।

- (4) लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों और अन्य मूल्यांकनों, जिसमें टंकण परीक्षा के अंक होंगे, के कुल योग से जैसा प्रकट हो, प्रवीणता सूची (अन्तिम चयन सूची) तैयार की जायेगी। यदि दो या अधिक अभ्यर्थी कुल योग के बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो लिखित परीक्षा में उच्चतर अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रखा जाएगा। यदि लिखित परीक्षा में भी दो या अधिक अभ्यर्थियों ने बराबर-बराबर अंक प्राप्त किए हों तो आयु में ज्येष्ठ अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रखा जाएगा। सूची में नामों की संख्या, रिक्तियों की संख्या से अधिक (किन्तु 25 प्रतिशत से अनधिक) होगी।

चयन समिति
का गठन

16. सीधी भर्ती एवं पदोन्नति एक चयन समिति के माध्यम से की जाएगी, जिसमें निम्नलिखित होंगे:-

- (एक) नियुक्ति प्राधिकारी अध्यक्ष
(दो) नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नामित अधिकारी, जो उप
निदेशक स्तर से निम्नस्तर का न हो सदस्य
(तीन) अर्थ एवं संख्या निदेशालय में श्रेणी दो के ऐसे
अधिकारी, जो अधिष्ठान से संबंधित कार्य देखते हों सदस्य

टिप्पणी – चयन समिति में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के अधिकारियों को समय-समय पर यथा संशोधित राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार नामांकित किया जाएगा।

पदोन्नति द्वारा
भर्ती की प्रक्रिया

17. (1) पदोन्नति द्वारा भर्ती, नियम 16 के अंतर्गत गठित चयन समिति के माध्यम से, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए, ज्येष्ठता के आधार पर की जाएगी।
(2) नियुक्ति प्राधिकारी, ज्येष्ठता के क्रम में अभ्यर्थियों की पात्रता सूची तैयार करेगा और उसे अभ्यर्थियों की चरित्र पंक्तियों और उनसे संबंधित ऐसे अन्य अभिलेखों के साथ, जो उचित समझे जाए, चयन समिति के समक्ष रखेगा।
(3) चयन समिति, उप नियम (2) में निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर अभ्यर्थियों के मामलों पर विचार करेगी और यदि आवश्यक समझे तो अभ्यर्थियों का साक्षात्कार भी कर सकती है।
(4) चयन समिति, चयन किए गए अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता क्रम में एक सूची तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

भाग – 6 – नियुक्ति, परीक्षा, स्थायीकरण और ज्येष्ठता

नियुक्ति

18. (1) मौलिक नियुक्तियां होने पर नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों की, उस क्रम में, जिसमें उनके नाम यथास्थिति, नियम 15 या 17 के अधीन तैयार की गई सूची में हों, नियुक्तियाँ करेगा।
(2) नियुक्ति प्राधिकारी उप नियम (1) में निर्दिष्ट सूचियों से अस्थायी या स्थानापन्न रूप में भी नियुक्तियाँ कर सकता है। यदि इन सूचियों का कोई अभ्यर्थी उपलब्ध न हो तो वह ऐसी रिक्तियों में इस नियमावली के

अधीन नियुक्ति के लिए पात्र व्यक्तियों में से नियुक्तियाँ कर सकता है। ऐसी नियुक्तियाँ एक वर्ष की अवधि या इस नियमावली के अधीन आगामी चयन किए जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, से अधिक नहीं चलेगी।

परिवीक्षा

19. (1) सेवा में किसी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किए गए व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जाएगा।
- (2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किए जाएंगे, अलग-अलग मामलों में परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है, जिसमें ऐसा दिनांक विनिर्दिष्ट किया जाएगा, जब तक की अवधि बढ़ायी जाए;
परन्तु यह कि आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय, परिवीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक, किन्तु किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जाएगी।
- (3) यदि परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गई परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी भी समय या उसके अन्त में नियुक्ति प्राधिकारी को यह प्रतीत हो कि परिवीक्षाधीन व्यक्ति ने अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है या अन्यथा संतोष प्रदान करने में विफल रहा है, तो उसे उसके मूल पद पर, यदि कोई हो, प्रत्यावर्तित किया जा सकेगा और यदि उसका किसी पद पर धारणाधिकार न हो तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकेगी।
- (4) ऐसा परिवीक्षाधीन व्यक्ति, जिसे उप-नियम (3) के अधीन प्रत्यावर्तित किया जाए या जिसकी सेवा समाप्त की जाए, किसी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।
- (5) नियुक्ति प्राधिकारी सेवा में सम्मिलित किसी पद पर या किसी समकक्ष या उच्चतर पद पर स्थानापन्न या अस्थायी रूप से की गई निरन्तर सेवा की अवधि को, परिवीक्षा अवधि की संगणना करने के प्रयोजन के लिए, गणना करने की अनुमति दे सकता है।

स्थायीकरण

20. किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गई परिवीक्षा अवधि के अन्त में, उसकी नियुक्ति में उत्तराखण्ड राज्य के सरकारी सेवकों की स्थायीकरण नियमावली, 2002 अथवा तत्समय प्रवृत्त नियमों के अंतर्गत स्थायी कर दिया जाएगा।

ज्येष्ठता

21. (1) सम्पूर्ण राज्य में मुख्यालय स्तर पर ज्येष्ठता सूची रखी जाएगी।
- (2) सेवा में किसी श्रेणी के पद पर ज्येष्ठता का निर्धारण, उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 अथवा तत्समय प्रवृत्त नियमों के अंतर्गत किया जाएगा।

भाग - 7 - वेतन इत्यादि

वेतनमान

22. (1) सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर, चाहे मौलिक या स्थानापन्न रूप से या अस्थायी आधार पर, नियुक्त व्यक्तियों को ऐसे वेतन एवं भत्ते अनुमन्य होंगे, जैसा राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किए जाएं।
- (2) इस नियमावली के प्रारम्भ के समय वेतनमान संलग्न परिशिष्ट "ख" में दिए गए हैं।

परिवीक्षा अवधि में वेतन 23. (1) मूल नियमों में किसी प्रतिकूल उपबन्ध के होते हुए भी, परिवीक्षाधीन व्यक्ति को, यदि वह पहले से स्थायी सरकारी सेवा में न हो, समयमान में उसकी पहली वेतन वृद्धि तभी दी जाएगी जब उसने एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी कर ली हो, विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो और प्रशिक्षण, जहाँ विहित हो, पूरा कर लिया हो और द्वितीय वेतनवृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात तभी दी जाएगी जब उसने परिवीक्षा अवधि पूरी कर ली हो और उसे स्थायी भी कर दिया गया हो;

परन्तु यह कि यदि संतोष प्रदान न कर सकने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ायी जाए तो इस प्रकार बढ़ायी गई अवधि की गणना वेतनवृद्धि के लिए तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दें।

(2) ऐसे व्यक्ति का, जो पहले से सरकार के अधीन कोई पद धारण कर रहा हो, परिवीक्षा-अवधि में वेतन, सुसंगत मूल नियमों द्वारा विनियमित होगा;

परन्तु यह कि यदि संतोष प्रदान न कर सकने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ायी जाए तो इस प्रकार बढ़ायी गई अवधि की गणना वेतनवृद्धि के लिए तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दें।

(3) ऐसे व्यक्ति का, जो पहले से स्थायी सरकारी सेवा में हो, परिवीक्षा अवधि में वेतन, राज्य के कार्यकलाप के संबंध में सेवारत सरकारी सेवकों पर सामान्यतया लागू सुसंगत नियमों द्वारा विनियमित होगा।

भाग - 8 - अन्य उपबन्ध

पक्ष समर्थन 24. किसी पद या सेवा में लागू नियमों के अधीन अपेक्षित सिफारिश से भिन्न किसी अन्य सिफारिश पर, चाहे लिखित हो या मौखिक, विचार नहीं किया जाएगा। किसी अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने का कोई प्रयास उसे नियुक्ति के लिए अनर्ह कर देगा।

अन्य विषयों का विनियमन 25. ऐसे विषयों के संबंध में, जो विनिर्दिष्ट रूप से इस नियमावली या विशेष आदेशों के अंतर्गत न आते हों, सेवा में नियुक्त व्यक्ति राज्य के कार्यकलापों के संबंध में सेवारत सरकारी सेवकों पर सामान्यतया लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा विनियमित होंगे।

सेवा शर्तों में शिथिलता 26. जहाँ राज्य सरकार का यह समाधान हो जाए कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तों को विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में अनुचित कठिनाई होती है, वहाँ वह उस मामले में लागू नियमों में किसी बात के होते हुए भी, आदेश द्वारा, उस नियम की अपेक्षाओं को उस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह मामले में न्याय संगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिए आवश्यक समझे, अभिमुक्त या शिथिल कर सकती है;

परन्तु यह कि जहाँ कोई-नियम आयोग के परामर्श से बनाया गया है, वहाँ नियम की अपेक्षाओं को अभिगृह्य करने का विचार करना से पूर्व आयोग से परामर्श लेना आवश्यक होगा।

स्थानान्तरण

27. सेवा में प्रत्येक श्रेणी के पदधारक को नियुक्ति प्राधिकार द्वारा निर्धारित समय-समय पर जारी किए गए सरकार के आदेशों के अनुसार स्थानान्तरित किया जा सकता है।

व्यावृत्ति

28. इस नियमावली में किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा, जिनका इस संबंध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार, उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष श्रेणियों के लिए उपबन्ध किया जाना अपेक्षित हो।


(राधा रतूडी)
सचिव।

परिशिष्ट – ‘क’

उत्तराखण्ड, अर्थ एवं संख्या विभाग लिपिक वर्ग सेवा
(कृपया नियम 4 का उपनियम (2) देखें।)

क्र० सं०	पदनाम	पदों की संख्या		योग
		स्थायी	अस्थायी	
1.	प्रशासनिक अधिकारी, ग्रेड-I	2	—	2
2.	प्रशासनिक अधिकारी, ग्रेड-II	4	—	4
3.	मुख्य सहायक	16	—	16
4.	प्रवर सहायक	19	—	19
5.	कनिष्ठ सहायक	22	—	22
	योग	63	—	63

परिशिष्ट – ‘ख’

उत्तराखण्ड, अर्थ एवं संख्या विभाग लिपिक वर्ग सेवा
(कृपया नियम 22 का उपनियम (2) देखें।)

क्र० सं०	पद का नाम	वेतनमान	पे- बैंड	ग्रेड-पे
1.	प्रशासनिक अधिकारी, ग्रेड-I	9300-34800	PB-2	4200
2.	प्रशासनिक अधिकारी, ग्रेड-II	9300-34800	PB-2	4200
3.	मुख्य सहायक	5200-20200	PB-1	2800
4.	प्रवर सहायक	5200-20200	PB-1	2400
5.	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	PB-1	1900

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No: 253 /XXVI/दो(20)/2007 for general information

**GOVERNMENT OF UTTARAKHAND
PLANNING DEPARTMENT**

Dehradun, Dated: 07 December, 2009

NOTIFICATION

MISCELLANEOUS

In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India and in super-session of all existing rules and orders on the subject, the Governor is pleased to make the following rules regulating and recruitment and conditions of service of persons appointed to the Uttarakhand Economics and Statistics Department Clerical Grade Service:-

**UTTARAKHAND ECONOMICS AND STATISTICS DEPARTMENT CLERICAL GRADE
SERVICE RULES, 2009**

PART I – GENERAL

- | | |
|------------------------------|--|
| Short title and Commencement | 1. (1) These rules may be called the Uttarakhand Economics and Statistics Department Clerical Grade Service Rules, 2009.
(2) They shall come into force at once. |
| Status of Service | 2. Uttarakhand Economics and Statistics Department Clerical Grade Service comprises Group-'C' posts. |
| Definitions | 3. In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context:
(a) 'Appointing Authority' means the Director;
(b) 'Director' means the Director of Economics and Statistics Department, Uttarakhand;
(c) 'Citizen of India' means a person, who is or is deemed to be citizen of India under Part-II of the Constitution;
(d) 'Constitution' means the Constitution of India;
(e) 'Government' means the Government of Uttarakhand;
(f) 'Governor' means the Governor of Uttarakhand;
(g) 'Service' means the Uttarakhand Economics and Statistics Department, Clerical Grade Service;
(h) 'Substantive Appointment' means an appointment, not being an ad hoc appointment, on a post in the cadre of the Service, made after selection in accordance with the rules and, if there were no rules, in accordance with the procedure prescribed for the time being by executive instructions issued by the Government; and
(i) 'Year of Recruitment' means a period of twelve months commencing from the first day of July of a calendar year |

PART II – CADRE

- Cadre of Service 4. (1) The strength of the Service and each category of posts therein shall be such as may be determined by the Governor from time to time.
- (2) The strength of the Service and each category of posts therein shall, until orders varying the same are passed under sub-rule (1), be as given in Appendix-'A';

Provided that -

- (i) The Appointing Authority may leave any post unfilled or the Governor may hold in abeyance any vacant post, without thereby entitling any person to compensation;
- (ii) The Governor may create such additional permanent or temporary posts, as he may consider proper.

PART III – RECRUITMENT

- Source of Recruitment 5. Recruitment to the various categories of posts in the Service shall be made from the following sources:

<i>Sl. No.</i>	<i>Designation</i>	<i>Source of Recruitment</i>
(i)	Junior Assistant	(a) 75 Percent posts by direct recruitment in accordance with the provisions of the Uttarakhand procedure for Direct Recruitment for Group 'C' posts (outside the purview of the Uttarakhand Public Service Commission) Rules, 2008 (as amended).
		(b) 15 Percent posts by selection from such substantively appointed Group 'D' employees, who have passed the matriculation examination and completed 5 years service, as such in accordance with the provisions of the Uttarakhand Subordinate Office Clerical Grade (Direct Recruitment) Rules, 2004 (as amended).
		(c) 10 Percent posts by selection from such substantively appointed Group 'D' employees, who have passed the Intermediate examination and completed 5 years service, as such in accordance with the provisions of the Uttarakhand Subordinate Office Clerical Grade (Direct Recruitment) Rules, 2004 (as amended)
(ii)	Senior Assistant	By promotion, on the basis of seniority, subject to rejection of unfit, from amongst such permanent Junior Assistants, who have completed 5 years satisfactory service on the first day of the year of recruitment
(iii)	Chief Assistant	By promotion, on the basis of seniority, subject to rejection of unfit, from amongst

such substantively appointed Senior Assistants, who have completed 5 years satisfactory service on the first day of the year of recruitment.

- (iv) Administrative Officer Grade-II

By promotion, on the basis of seniority, subject to rejection of unfit, from amongst such substantively appointed Chief Assistants, who have completed at least 02 years satisfactory service on the first day of the year of recruitment.

- (v) Administrative Officer Grade-I

By promotion, on the basis of seniority, subject to rejection of unfit from amongst such substantively appointed Administrative Officers Grade-II, who have completed at least 02 years service, as such,

Reservation

6. Reservation for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and Other Categories, to the State of Uttarakhand, shall be in accordance with the orders of the Government in force at the time of the recruitment.

PART IV – QUALIFICATIONS

Nationality

7. A candidate for direct recruitment to a post in the Service must be:
- (a) a citizen of India, or
 - (b) a Tibetan refugee, who came over to India before 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
 - (c) a person of Indian origin, who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka or any of the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India:

Provided that a candidate belonging to category (b) and (c) above must be a person, in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the State Government:

Provided further that a candidate belonging to category (b) will also be required to obtain a certificate of eligibility, granted by the Inspector General of Police, Intelligence Branch, Uttarakhand:

Provided also that, if a candidate belongs to category (c) above, no certificate of eligibility will be issued for a period of more than one year and the retention of such a candidate in service beyond a period of one year, shall be subject to his acquiring Indian citizenship.

Note - A candidate, in whose case a certificate of eligibility is necessary but the same has neither been issued nor refused, may be admitted to an examination and he may also be provisionally appointed, subject to the necessary certificate being obtained by him or issued in his favour.

A candidate for recruitment to the posts of Junior Assistant must possess the following qualifications:-

	<i>Sl. No.</i>	<i>Designation</i>	<i>Qualification</i>
Academic Qualifications	8.	1 Junior Assistant	<p>(a) Must have passed the Intermediate Examination from Board of Secondary Education, U.P. or Board of School Education and Examination, Uttarakhand, or any other examination recognized by the Government as equivalent thereto.</p> <p>(b) Minimum Hindi typing speed of 4000 KDPH (Key Depressions per Hour) on computer.</p>
Preferential Qualifications	9.	<p>Other things being equal, preference shall be given in the matter of direct recruitment to a candidate, who has—</p> <p>(i) served in the Territorial Army for a minimum period of two years, or</p> <p>(ii) Obtained a 'B' certificate of National Cadet Corps.</p>	
Age	10.	<p>A candidate for direct recruitment must have attained the minimum age of 18 years and must not have attained the age of more than 35 years on the first day of July of the calendar year in which vacancies are advertised or notified, as the case may be:</p> <p>Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and such other categories, as may be notified by the Government from time to time, shall be higher by such number of years, as may be specified.</p>	
Character	11.	<p>The character of a candidate for direct recruitment to a post in the Service must be such as to render him suitable in all respects for employment in the Government Service. The Appointing Authority shall satisfy itself on this point.</p> <p>Note - Persons, dismissed by the Union Government or a State Government or by a Local Authority or a Corporation or Body, owned or controlled by the Union Government or a State Government, shall not be eligible for appointment to any post in the Service. Persons convicted of an offence involving moral turpitude, shall also not be eligible.</p>	
Marital Status	12.	<p>A male candidate, who has more than one wife living or a female candidate, who has married a man, already having a wife living, shall not be eligible for appointment to a post in the Service:</p> <p>Provided that the Government may, if satisfied that there exist special grounds for doing so, exempt any person from the operation of this rule.</p>	
Physical Fitness	13.	<p>No candidate shall be appointed to a post in the Service unless he be</p>	

in good mental and physical health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of his duties. Before a candidate is finally approved for appointment, he shall be required to produce a Medical Certificate of Fitness in accordance with the rules framed under Fundamental Rule 10, contained in Chapter III of the Financial Handbook, Volume II, Part, III:

Provided that a Medical Certificate of Fitness shall not be required from a candidate recruited by promotion.

PART V – PROCEDURE FOR RECRUITMENT

- | | |
|--------------------------------------|--|
| Determination of Vacancies | 14. The Appointing Authority shall determine the number of vacancies to be filled during the course of the year as also the number of vacancies to be reserved for candidates, belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and Other Categories, to the State of Uttarakhand under rule 6. If the Chairman of the Selection Committee is an officer other than the Appointing Authority, the Appointing Authority shall intimate the vacancies to the Chairman of the Selection Committee. |
| Procedure for the Direct Recruitment | 15. (1) For direct recruitment, the Appointing Authority shall invite applications on the prescribed format and notify the vacancies in the following manner— <ul style="list-style-type: none">(i) by issuing advertisement in such daily newspapers, having wide circulation,(ii) By pasting the notice on the notice board of the office or by advertising through Radio/T.V. and other employment newspapers, and(iii) By notifying the vacancies to the Employment Exchange. (2) The format of the application form shall not be published again while notifying the vacancies under Sub-Rule (1).
(3) (i) For the purpose of selection, there shall be a written examination of 100 marks. Merit list shall be prepared on the basis of the aggregate of marks obtained in the written examination and other evaluations.
(ii) (a) The written examination shall be objective type consisting of single question paper comprising General Hindi, General Knowledge and General Studies. While evaluating the question paper, one mark shall be awarded for each correct answer and ¼ negative mark for each incorrect answer.
(b) The candidates shall be allowed to carry back with them the question-booklet of written examination, after the examination is over.
(c) The answer sheet for the written examination shall be in duplicate (including carbon copy) and the candidate shall be allowed to carry back the duplicate copy with him/her.
(d) After the written examination, the answer sheet shall be |

displayed on the Uttarakhand website or published in any daily newspaper, having wide circulation:

Provide that for the posts for which some physical strands have been prescribed as an essential qualification or as mode of recruitment, the candidates shall be required to undergo prescribed physical test before the written examination and only those candidates shall be allowed to appear in the test for selection who come up to the minimum standard prescribed for the post

- (c) The candidates qualifying the written examination shall be called for typing test in the order of their merit. The prescribed minimum speed for type writing test shall be 4000 KDPH. The said test shall be of 50 marks. Marks for the typing test shall be awarded only to those candidates, who have attained the prescribed minimum speed. Candidates shall be called for typing test on the basis of the aggregate of marks obtained in the written examination and other evaluations. The number of candidates called for the typing test shall be four times the number of vacancies.
 - (f) If the number of successful candidates in the typewriting test is more than the vacancies, the result shall be declared on the basis of the merit list.
 - (g) If the number of successful candidate in the Typewriting test is less than the vacancies, the action for the appointment of the successful candidates shall be take. For the remaining vacancies Typewriting test for the next candidates already called for typewriting test from the list of the candidates arrange on the basis of the marks obtained in the written examination and other evaluations in the ratio of 1:4 and successful candidates may be selected in accordance with the rules. This process shall be continued till the prescribed number of candidates with minimum prescribed speed are available.
 - (h) If the number of candidates for the post is less than the ratio 1:4, in such case all the candidates who appeared for the written examination shall be called for typewriting test. The candidates attaining minimum prescribed speed shall be included in the final select list. In case none of the candidates is able to attain the minimum speed and any candidates is not available, the vacant post shall be carried forward.
- (4) The merit list (Final Selection List) shall be prepared on the basis of aggregate of marks obtained in the written examination and other evaluations, including the marks obtained in the typing test. If two or more candidates obtain equal marks in the aggregate, the candidate securing higher marks in the written examination shall be placed higher in the selection list. If two or more candidates obtain equal marks in the written examination also, the candidate senior in age shall be placed higher in the selection

list. The number of the names in the list shall be more (but not more than 25 percent) than the number of vacancies.

- | | | | |
|---|-------|--|----------|
| Constitution of
the Selection
Committee | 16. | The direct recruitment and promotions shall be made through a Selection Committee, comprising the following— | |
| | (i) | Appointing Authority | Chairman |
| | (ii) | An Officer, not below the rank of the Deputy Director, nominated by the Appointing Authority | Member |
| | (iii) | Such Class-II Officers from the Directorate of Economics and Statistics, who are dealing with the establishment work | Member |

Note - Officers belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes in the Selection Committee shall be nominated in accordance with the orders issued by the State Government as amended from time-to-time.

- | | | | |
|--|-----|-----|---|
| Procedure for
Recruitment by
Promotion | 17. | (1) | Recruitment by promotion shall be made on the basis of seniority, subject to the rejection of unfit, through the Selection Committee, constituted under rule 16. |
| | | (2) | The Appointing Authority shall prepare an eligibility list of the candidates in order of seniority, and place it before the Selection Committee along with their character rolls and such other records, pertaining to them, as may be considered proper. |
| | | (3) | The Selection Committee shall consider the cases of candidates on the basis of records, referred to in sub-rule (2), and, if it considers necessary, it may interview the candidates also. |
| | | (4) | The Selection Committee shall prepare a list of selected candidates arranged in order of seniority and forward the same to the Appointing Authority. |

PART VI – APPOINTMENT, PROBATION, CONFIRMATION & SENIORITY

- | | | | |
|-------------|-----|-----|--|
| Appointment | 18. | (1) | In case of substantive appointments, the Appointing Authority shall make appointments by taking the names of candidates in the order in which they stand in the list prepared under rule 15 or 17, as the case may be. |
| | | (2) | The Appointing Authority may make appointments in temporary and officiating capacity also from the lists referred to in sub-rule. (1). If no candidate borne on these lists is available, he may make appointments in such vacancies from amongst persons eligible for appointment under these rules. Such appointments shall not last for a period exceeding one year or beyond the next selection under these rules, whichever is earlier. |
| Probation | 19. | (1) | A person on substantive appointment to a post in the Service shall be placed on probation for a period of two years. |
| | | (2) | The Appointing Authority may, for reasons to be recorded, extend the period of probation in individual cases, specifying the |

date upto which the extension is granted:

Provided that, save in exceptional circumstances, the period of probation shall not be extended beyond one year, and in no circumstances beyond two years.

- (3) If it appears to the Appointing Authority at any time during or at the end of the period of probation or extended period of probation, that a probationer has not made sufficient use of his opportunities or has otherwise failed to give satisfaction, he may be reverted to his substantive post, if any, and if he does not hold a lien on any post, his services may be dispensed with.
- (4) A probationer, who is reverted or whose services are dispensed with under sub-rule (3), shall not be entitled to any compensation.
- (5) The Appointing Authority may allow continuous service, rendered in an officiating or temporary capacity in a post included in the Service or any other equivalent or higher post, to be taken into account of the purpose of computing the period of probation.

Confirmation 20. A probationer, at the end of the period of probation or extended period of probation, shall be confirmed in his post under the Uttarakhand State Government Servants Confirmation Rules, 2002 or the rules for the time being in force.

Seniority 21. (1) The seniority list shall be kept at the Head Quarters level in the State.
(2) The seniority in any category of posts in the Service shall be determined under the Uttarakhand Government Servants Seniority Rules, 2002 or the rules for the time being in force.

PART VII - PAY Etc.

Scales of Pay 22. (1) The scale of pay and allowances, admissible to persons appointed to the various categories of posts in the Service, whether in a substantive or officiating capacity or as a temporary measure, shall be such, as may be determined by the Government from time to time.
(2) The scales of pay at the time of the commencement of these rules are given in annexed Appendix-'B'.

Pay during Probation 23. (1) Notwithstanding any provision in the Fundamental Rules to the contrary, a person on probation, if he is not already in permanent government service, shall be allowed his first increment in the time scale when he has completed one year of satisfactory service, has passed departmental examination and has undergone training, where prescribed, and second increment after two years of service when he has completed the probationary period and is also confirmed:

Provided that, if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction, such extension shall not account for increment unless the Appointing Authority directs otherwise.

(2) The pay during the probation of a person, who was already holding a post under the Government, shall be regulated by the relevant Fundamental Rules:


Provided that, if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction, such extension shall not account for increment unless the Appointing Authority directs otherwise.

(3) The pay during the probation of a person, who was already in permanent Government service, shall be regulated by the relevant rules applicable to the Government servants generally serving in connection with the affairs of the State.

PART VIII - OTHER PROVISIONS

- | | |
|---|--|
| Canvassing | 24. No recommendation, either written or oral, other than those required under the rules applicable to the post or Service, will be taken into consideration. Any attempt on the part of a candidate, to enlist support directly or indirectly for his candidature, will disqualify him for appointment. |
| Regulation of Other Matters | 25. In regard to the matters not specifically covered by these rules or special orders, persons appointed to the Service shall be governed by the rules, regulations and orders, applicable generally to Government servants, serving in connection with the affairs of the State. |
| Relaxation from the Conditions of Service | 26. Where the State Government is satisfied that the operation of any rule, regulating the conditions of service of persons appointed to the Service, causes undue hardship in any particular case, it may, notwithstanding anything contained in the rules applicable to the case, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

Provided that where a rule has been framed in consultation with the Commission, that body shall be consulted before the requirements of the rule are dispensed with or relaxed. |
| Transfer | 27. The Appointing Authority / Head of the Department may transfer any officer of any category in the Service in accordance with the orders of the Government, issued from time to time. |
| Saving | 28. Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions, required to be provided for the candidates, belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and others special categories of persons, to the State of Uttarakhand in accordance with the orders of the Government, issued from time to time in this regard. |


(Radha Raturi)
Secretary

Appendix-'A'

(Please see sub-rule (2) of rule 4)

Uttarakhand Economics and Statistics Department Clerical Grade Service

S.No.	Designation	No. of Posts		
		Permanent	Temporary	Total
(1)	(2)	(4)	(5)	(6)
1.	Administrative Officer Grade-I	2	—	2
2.	Administrative Officer Grade-II	4	—	4
3.	Chief Assistant	16	—	16
4.	Senior Assistant	19	—	19
5.	Junior Assistant	22	—	22
Total		63	—	63

Appendix-'B'

(Please see sub-rule (2) of rule 22)

S.No.	Designation	Pay Scale	Pay Band	Grade Pay
				(5)
(1)	(2)	(3)	(4)	
1.	Administrative Officer Grade-I	9300-34800	PB-2	4200
2.	Administrative Officer Grade-II	9300-34800	PB-2	4200
3.	Chief Assistant	5200-20200	PB-1	2800
4.	Senior Assistant	5200-20200	PB-1	2400
5.	Junior Assistant	5200-20200	PB-1	1900